वर्ष 39 अंक 10
पृष्ठ 28+4+4=36
लखनऊ, रविवार
29 अक्टूबर 2017
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 5.00

दैनिक जागरण

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

भारत-न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे आज : जीत पर होगी टीम इंडिया की निगाह 24
न्यूजीलैंड की नजरें इतिहास रचने पर 24

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश • दिल्ली • मध्य प्रदेश • हरियाणा • उत्तराखण्ड • बिहार • झारखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

'ई-कचरे के लिए नई तकनीक विकसित करें'

जासं, लखनऊ : ई-कचरे के सुरक्षित निस्तारण के लिए अभियंता व वैज्ञानिक नई तकनीक विकसित करें। इसके लिए प्रदेश सरकार उन्हें सहयोग करेगी। यह बात इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स में शनिवार को इलेक्ट्रनिक कचरे पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए उ.प्र.विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त सचिव डॉ. डीके श्रीवास्तव ने कही।

ईको मैन लैबोरेटरीज के अध्यक्ष आर एन भार्गव ने कहा कि हम अभी प्लास्टिक कचरे की समस्या से निपट नहीं पा रहे हैं वहीं इलेक्ट्रानिक कचरा बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने कहा कि बेकार हो चुके कंप्यूटर,लैपटॉप, टीवी, बैटरी, मोबाइल फोन सब मिल कर 70 फीसद कचरा बनाते हैं। इनमें 12 फीसद टेलीकॉम उपकरण, आठ फीसद मेडिकल उपकरण, सात फीसद विद्युत उपकरण एवं शेष तीन फीसद घरेलू उपकरण होते हैं। प्रतिवर्ष 2.5 करोड़ मोबाइल सेट बेकार हो जाते हैं। हर वर्ष 17 लाख टन इलेक्ट्रानिक कचरा पैदा होता है जिसमें से साढ़े तीन लाख टन उत्तर प्रदेश का हिस्सा है। गोष्ठी के संयोजक भास्कर पांडेय ने ई वेस्ट के लिए वृहद जागरूकता पर बल दिया।